Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष-३० अंक-२० प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ - ३१ अक्टूबर २०२१ पृष्ठ ०८ मूल्य:१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी १३ अक्टूबर,२०२१ को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रधानमंत्री गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान का शुभारंभ करते हुए। साथ में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी,पीयूष गोयल और सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद हैं।

गतिशक्ति योजना समग्र शासन का विस्तार : प्रधानमंत्री मोदी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। दिनांक १३.१०.२०२१ को उन्होंने प्रगति मैदान में नए प्रदर्शनी परिसर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, सर्बानंद सोनोवाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अश्विनी वैष्णव, आर के सिंह, राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, राज्यों के मंत्री, प्रतिष्ठित उद्योगपति उपस्थित थे। उद्योग जगत से आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, ट्रैक्टर्स एंड फर्म इक्विपमेंट की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुश्री मल्लिका श्रीनिवासन, टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और रिविगो के सह संस्थापक दीपक गर्ग ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आज अगले २५ वर्षों के लिए भारत की नींव रखी जा रही है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के विश्वास को आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह मास्टरप्लान २१ वीं सदी के भारत को गति (गतिशक्ति) देगा।

बिजली संकट से निपटने को युद्ध स्तर पर लोडिंग कर रहा रेलवे

रे.स.ब्यू.नई दिल्ली। रेलवे ने देश में कोयले की कमी से जूझ रहे पावर प्लांट्स के लिए कोयले की आपूर्ति युद्ध स्तर पर करना शुरू कर दिया है। जहां भारतीय रेलवे एक अक्तूबर को रोज कोयले की ३५० रैक की लोडिंग कर रहा था, वहीं अब ४५० से ज्यादा रैक कोयला खदानों से पावर प्लांट्स तक पहुंचा रहा है। जानकारी के अनुसार, देश के पावर प्लांट्स जब कोयले की कमी से जूझने लगे तो रेलवे प्लांट्स में कोयला पहुंचाने के लिए जोर-शोर से जुट गया। वहीं दूसरी तरफ दो साल पहले मालगाड़ियों की औसत स्पीड २४ किलोमीटर प्रतिघंटे से बढ़कर करीब ४६ किलोमीटर प्रति घंटे हो चुकी है। बतादें कि १२ अक्तूबर को १.७८५ मिलियन मीट्रिक टन कोयला लोड हुआ, तो बीते वर्ष इस दिन तक १.५३५ मिलियन टन कोयला लोड हुआ। फिलहाल रेलवे हर रोज करीब ४५० से ज्यादा रैक यानि करीब ४००० टन कोयले की ढुलाई कर रही है, माना जा रहा है कि यह ५०० रैक तक पहुंचने के बाद पावर प्लांट्स में कोयले का संकट खत्म हो जाएगा। बारिश की वजह से कोयले की कम खुदाई और ढुलाई के कारण कई पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक काफी कम हो गया है, जिससे कई प्लांट्स में बिजली के उत्पादन पर असर पड़ने का भी आशंका जताई जा रही है।

अनुराग ठाकुर ने स्वच्छ भारत अभियान में लिया भाग

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली में हुमायूं का मकबरे के परिसर में स्वयंसेवकों के साथ स्वच्छ भारत अभियान में भाग लिया।

इस मौके पर दिनांक १२.१०.२०२१ को युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव उषा शर्मा और मंत्रालय एवं नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विभिन्न समूहों के स्वयंसेवकों ने भी इस अभियान में भाग लिया। यह मुख्य रूप से प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने एवं हटाने के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के महीने भर के स्वच्छता अभियान के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।

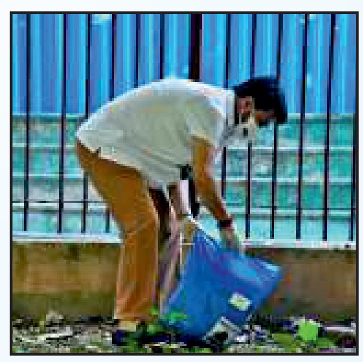

यह अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पूरे देश में चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपने को पूरा करना है।

उत्तर प्रदेश अब देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर-मुख्यमंत्री योगी

रे.स.ब्यू./सूत्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंगल कौड़िया के रसूलपुर चकिया में महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय का लोकार्पण व परिसर में स्थापित ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की आदमकद कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। बुधवार दिनांक १३.१०.२०२१ को इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब सोच ईमानदार हो तो काम दमदार होते हैं। इसके बाद आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि २०१४ से बदलते भारत को और २०१७ से बदलते उत्तर प्रदेश को सभी लोगों ने देखा है। सबको बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ मिल रहा है। आज अच्छी सड़कों और बिजली की सुविधा हर गांव तक है। पहले किसानों का धान क्रय नहीं होता था। औने-पौने दाम पर बेचने की मजबूरी होती थी। उन्होने कहा कि वर्ष २०१७ के बाद उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आया है। कभी कल्याणकारी योजनाओं में काफी पीछे रहने वाला यह प्रदेश आज देश की ४४ योजनाओं में नंबर एक है। यह दुनिया के लिए सबसे अच्छा निवेश और सुरक्षा का वातावरण देने वाला राज्य है। यह नया और उभरता उत्तर प्रदेश अब देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

"स्टेशन आउटस्टैंडिग" विषय पर बैठक आयोजित

रे.स.ब्यूरो./संवा। प्रयागराज मंडल में "स्टेशन आउटस्टैंडिग" विषय पर बैठक मुख्य दावा अधिकारी/ उत्तर मध्य रेलवे शैलेन्द्र कपिल की अध्यक्षता में दिनांक ०८.१०.२०२१ को आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य दावा अधिकारी ने कहा कि अर्निग के क्षेत्र मे रेल प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं,साथ साथ यह भी अत्यंत आवश्यक है की जो भी बकाया धनराशियां है उनको रिकवर करने हेतु किये जा रहे प्रयासो को भी तेज किया जाए। उन्होने बकाया धनराशियों को नियमित रूप से चेज करने और उसकी नियमित रिपोर्टिग पर बल दिया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/ सामान्य अजीत कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विपिन सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक रवि पटेल, सहित मुख्यालय एवं मंडल के वाणिज्य और वित्त विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पितरों का श्राद्ध करने के लिए संगम तट पर उमड़ा जनसैलाब

रे.स.ब्यूरो./संवा।कई पीढ़ियों के ज्ञात-अज्ञात पूर्वजों के नाम पर पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण-अर्पण संगम तट पर बुधवार दिनांक ०६.१०.२०२१ को किया गया। पितरों के मोक्ष और सुख -समृद्धि की कामना वंशजों ने दिन भर समूहों में श्राद्ध किए। अन्न, वस्त्र के दान और मन पसंद व्यंजनों के भोग के साथ पितरों को भावपूर्ण विदा दी गई। पितृ पक्ष के आखिरी दिन पूर्वांचल ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों से भी लोग त्रिवेणी तट पर पिंडदान के लिए पहुंचे। तीर्थपुरोहितों की चौकियों पर इसके लिए दिन भर भीड़ लगी रही। मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड के अलावा राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु समेत कई राज्यों से लोग अपने पूर्वजों का संगम पर श्राद्ध करने के लिए पहुंचे। इस दौरान वेदियां बनाकर ध्वजा-पताकाएं सजाकर सुख- समृद्धि की कामना की गई।

अवैध रूप से टिकटों का व्यापार करते हुए एक व्यक्ति हुआ गिरफ्तार

रे.स.ब्यूरो./संवा। रेल सुरक्षा बल कानपुर सेंट्रल एव डिटेक्टिव विंग कानपुर द्वारा कानपुर नगर क्षेत्र में कानपुर नगर से वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेल सुरक्षा बल/ उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज के निर्देशो के अनुपालन में अवैध टिकट दलालों को पकड़ने के लिए निरंतर अभियान चलाये जा रहे है।

इसी क्रम में दिनांक ०७.०६.२०२१ को चलाये जा रहे अभियान में विनय कुशवाहा नाम का व्यक्ति उम्र २० वर्ष निवासी हनुमंत विहार नौबस्ता थाना नौबस्ता जिला कानपुर नगर को अवैध रूप से टिकटों का व्यापार करते हुए गिरफ्तार किया गया।

आरोपी ने पूछने पर बताया कि वह रेलवे के अधिकृत एजेंट नही है फिर भी इंटरनेट कैफ़े की आड़ में कई पर्सनल यूजर आई०डी० बनाकर उससे रेलवे की टिकट बनाकर जरूरतमंदों को ५०-२०० रुपये कीमत मूल्य से अधिक लेकर बेचने का अवैध कार्य करता है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमार राना, सब इंस्पेक्टर नितिन कुमार कांस्टेबल गौरव कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार त्रिपाठी, कांस्टेबल संदीप शुक्ला, महिला कांस्टेबल योगिता, महिला कांस्टेबल प्रियंका मोर्या रेल सुरक्षा बल सीआईबी कानपुर एवं एच सी सैयद अली अब्बास मौजूद थे।

आरपीएफ ने मिलवाया मासूम बच्चों को उनके माता-पिता से

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज मण्डल द्वारा रेल परिसम्पत्ति की सुरक्षा के साथ साथ यात्रियों की सुरक्षा का दायित्व पूरी कुशलता के साथ निर्वहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक ११.१०.२०२१ को शिकोहाबाद स्टेशन पर महिला कांस्टेबल सोनी कुमारी को प्लेटफार्म ड्यूटी के दौरान ३ बच्चे प्लेटफार्म नं ०२ पर दिल्ली एंड में घूमते हुए मिले। जिनको शिकोहाबाद आरपीएफ पोस्ट लॉकर पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि घर से बिना बताए भाग आये है। तीनों मुंबई भाग कर जा रहे थे जिन्होंने अपना नाम सोना व शरीफ दोनों सगी बहने जिनकी उम्र ८ वर्ष व ५ वर्ष जिला फिरोजाबाद बताया तीसरे बच्चे का नाम फरमान उम्र ५ वर्ष पता उपरोक्त बताएं पोस्ट के माध्यम से चाइल्ड हेल्पलाइन पर डॉ. जाकर आलम से बात की गई उन्होंने उपरोक्त पते पर उनके परिजनों को सूचित किया, सूचना मिलते ही परिजन रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट शिकोहाबाद पर आकर अपने बच्चों की पहचान की तथा अपना आधार कार्ड दिखाया जिसके आधार पर बच्चों द्वारा सही सही पहचानने पर तीनों बच्चों को उनके माता-पिता को सुपुर्द किया गया। बच्चों के परिजनों ने आरपीएफ का आभार व्यक्त किया।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके सउस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

तैयार होने लगा माघ मेले का खाका

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। रेती पर छह सेक्टर में मेला बसाने की तैयारी, शुरू हो गई है।

इसके तहत अरैल की तरफ भी मेला का विस्तार होगा। जिला प्रशासन की बृहस्पतिवार दिनांक १४.१०.२०२१ को हुई पहली बैठक में मेले के स्वरूप के साथ तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया।

पूर्व में पांच सेक्टर में मेले का आयोजन होता था। कुंभ-२०१६ के बाद इसमें विस्तार किया गया तथा २०२० में छह सेक्टर में मेले का आयोजन हुआ। इसके विपरीत कोविड की वजह से २०२१ में मेला का दायरा फिर सिमटकर पांच सेक्टर में हो गया। इसमें भी सेक्टर एक को दो भागों में बांटा गया था।

इसके अलावा सेक्टर पांच के क्षेत्र में भी कटौती की गई थी। डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन दोनों वर्ष के आयोजनों पर विस्तार से चर्चा भी हुई।

जी.एम.सी./कानपुर में संरक्षा सेमिनार आयोजित

रे.स.ब्यूरो./संवा। रेलयात्रियों को संरक्षित व समयबद्ध रेल यात्रा उपलब्ध कराने हेतु प्रयागराज मण्डल सदैव प्रयासरत है। भारतीय रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के सबसे व्यस्ततम एवं अति महत्वपूर्ण मण्डलों में से एक प्रयागराज मण्डल एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में अपना विशिष्ट योगदान देती आ रही है। सुचारू रूप एवं दुर्घटना रहित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य प्रयागराज मण्डल के संरक्षा विभाग द्वारा दिनांक १३.१०.२०२१ को कानपुर के जी.एम.सी./कानपुर के लोको पायलट Class Room में संरक्षा सेमीनार का आयोजन किया गया। इस सेमीनार में रेल परिचालन से संबंधित विभिन्न व्यवहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। सेमीनार में लगभग ४६ कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर संरक्षा सलाहकार चंद्रिका प्रसाद, कानपुर के मुख्य लोको निरीक्षक किशोरी लाल एवं एस. के.कनौजिया भी उपस्थित थे।

Southern Railway conducts intensive Ticket Checking drives

Source: CPRO/SR: Southern Railway, in its endeavor to provide better services to railway users as well as to curb ticketless train travel, has conducted intensive campaigns regularly against ticketless and irregular travel. In a bid to ensure railway passengers travel in trains in accordance with guidelines issued by the government and following Covid-19 protocol, intensive ticket checking drives were conducted in suburban as well as non-suburban / Mail Express trains. During the period April 2021 to 12th October 2021, in Southern Railway, an amount of Rs 35.47 crores has been collected as penalties from passengers for various offences during traveling and the total number of cases is 7.12 lakhs. The cases include travel without tickets, irregular tickets and unbooked luggage. Rs 37 lakhs collected as penalties on 12th October 2021 is the highest single day collection so far.Chennai Division collected Rs.12.78 Crores revenue which is the highest ticket checking revenue among the divisions during the period from April 2021 to 12th October 2021. Thiruvananthapuram Division realized Rs.6.05 Crores while Palakkad Division's ticket checking earnings stood at Rs.5.52 Crores. Madurai, Salem and Tiruchirappalli Divisions' ticket checking revenue stood at Rs. 4.16 Crores, Rs.4.15 Crores and Rs.2.81 Crores respectively.In order to ensure strict adherence of COVID protocols at railway premises, ticket checking staff along with security personnel also imposed fines for not wearing masks. During the period from April 2021 to 12th October 2021, Rs.1.63 Crores was recovered as fine from 32624 defaulters.

कटिहार से गुवाहाटी तक ६४६ रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य हुआ पूरा

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय रेल ने २०२३-२४ तक अपने संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर ईंधन ऊर्जा के इस्तेमाल से थ्रूपुट में वृद्धि होगी, ईंधन व्यय में कमी आएगी, बल्कि कीमती विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। इसी कड़ी में, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने कटिहार से गुवाहाटी तक अधिक आवागमन वाले नेटवर्क (एचडीएन) के कुल ६४६ रूट किलोमीटर (आरकेएम)/१२६४ टन किलोमीटर (टीकेएम) के विद्युतीकरण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस बड़ी उपलब्धि से अब देश के सभी प्रमुख शहर निर्बाध इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर गुवाहाटी से जुड़ जायेंगे। रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) एनएफ सर्कल द्वारा ७ अक्टूबर से ६ अक्टूबर, २०२१ तक उत्तुरी सीमांत रेलवे पर १०७ आरकेएम/२७३ टीकेएम के एचडीएन के अंतिम चरण का सफलतापूर्वक निरीक्षण किया गया था।

महाप्रबंधक संरक्षा सम्मान से हुए सम्मानित

रे.स.ब्यू./सूत्र। बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर एवं रायपुर मंडल में कार्यरत संरक्षा कोटि के ०२ रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक आलोक कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया।

बतादें कि दिनांक ३१ अगस्त, २०२१ को रायपुर रेल मंडल के बिल्हा रेलवे स्टेशन में कार्यरत सूर्य प्रकाश सिह, पॉइंटमैन-प्रथम के द्वारा एक मालगाडी में २८वें वैगन के सुरक्षित तिरपाल के लिए भेजा गया। तिरपाल लगाने के बाद और स्टेशन लौटते समय उन्होंने देखा कि लोको से २३वें वैगन का एक्सल बॉक्स एडॉप्टर अपनी जगह से हट गया है।

उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी और सभी संबंधितों को अवगत करा दिया गया। सतर्कता और त्वरित कार्रवाई कर सजगता एवं सतर्कता का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटना को टालने में प्रशंसनीय कार्य किया गया है। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक विजय प्रताप सिंह, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी अरुण कुमार जैन, हिमांशु जैन, सचिव, साकेत रंजन, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सहित सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

आरडीएसओ ने शुरू किया नम्मा मेट्रो का सुरक्षा परीक्षण

साभारः बंगलौर मेट्रो, जिसे नम्मा मेट्रो-हमारी मेट्रो नाम दिया गया है, ने नए शुरू किए गए मेट्रो प्रमाणन पोर्टल के माध्यम दिनांक ०८.७.२०२१ को आरडीएसओ को डिजाइन सुरक्षा और तकनीकी मंजूरी के लिए आवेदन किया, जो भारत में मेट्रो सेवाओं के संचालन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में है। यह मेट्रो प्रमाणन पोर्टल भारत में आगामी मेट्रो रेलवे के रोलिंग स्टॉक डिजाइन की तकनीकी मंजूरी में तेजी लाने के लिए नवंबर २०२० में आरडीएसओ द्वारा लॉन्च किया गया था। सभी आवश्यक दस्तावेज और आरेख अब केवल इस पोर्टल के माध्यम से ही अपलोड किए जा रहे हैं और समय बचाने के लिए तकनीकी प्रश्नों को ऑनलाइन/ ई-मेल के आदान-प्रदान के माध्यम से हल किया जाता है। एसएमएस और ई-मेल के नवीनतम संचार विधियों का उपयोग करके टर्मिनल प्रेषण और प्राप्ति समय को समाप्त करने के साथ मेट्रो रेलवे और आरडीएसओ को लागू करने के बीच संचार की गति कई गुना बढ़ गई है। इस पोर्टल को आरडीएसओ द्वारा इतनी प्रभावी ढंग से डिजाइन किया गया है कि आगामी मेट्रो रेलवे की सभी तकनीकी मंजूरी को सूचना प्रौद्योगिकी में नवीनतम विकास का उपयोग करने के बाद अब समय महीनों में लगता है जबकि पूर्व में इसके लिये एक वर्ष से अधिक समय लग रहा था। आरडीएसओ ने नम्मा मेट्रो को रोलिंग स्टॉक डिजाइन की मंजूरी और अनंतिम डिजाइन तकनीकी मंजूरी को फास्ट ट्रैक पर रखा है और एक महीने के अल्प समय में इस मेट्रो प्रमाणन पोर्टल के माध्यम से डिजाइनों को आवश्यक मंजूरी दे दी। अंतर्राष्ट्रीय मानक यूआ सी ५१८ मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए आरडीएसओ द्वारा सुरक्षा परीक्षण शुरू किए गए हैं। इन परीक्षणों में मुख्य रूप से दो परीक्षण शामिल हैं - पहला विस्तृत दोलन परीक्षण विभिन्न गति पर रोलिंग स्टॉक व्यवहार का पता लगाने के लिए और दूसरा परीक्षण लोड और खाली दोनों स्थितियों के साथ-साथ सूखी और गीली स्थितियों में विभिन्न गति पर आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी की गणना करने के लिए। यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने और चल स्टॉक के सवारी सूचकांक का पता लगाने के लिए ये परीक्षण अपरिहार्य हैं। अमित सिसोदिया संयुक्त निदेशक / परीक्षण की नेतृत्व में आरडीएसओ परीक्षण निदेशालय की टीम ने १२ अक्टूबर २०२१ से सुरक्षा (दोलन और आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी) परीक्षणों की श्रृंखला शुरू कर दी है। इन व्यापक परीक्षणों के २ नवंबर २०२१ तक पूरा होने की उम्मीद है। इन परीक्षणों के परिणामों के आधार पर, नम्मा (बैंगलोर) मेट्रो पूरी तरह से स्वदेशी नए रोलिंग स्टॉक के संचालन के लिए आरडीएसओ द्वारा अंतरिम गति प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। उम्मीद है कि दिसंबर २०२१ के पहले सप्ताह से बैंगलोर के निवासियों को व्यावसायिक उपयोग के लिए ये नई मेट्रो ट्रेनें मिल जाएंगी।

२६ अक्तूबर से होगी पूजा स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत

रे.स.ब्यू./सूत्र। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे प्रशासन पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार के मुताबिक, इनमें छपरा-दिल्ली जंक्शन साप्ताहिक (०५३१५) २६ अक्तूबर से ३० नवंबर तक छपरा से प्रत्येक मंगलवार को सुबह ११:१५ बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह ११:२० बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन (०५३१६) २७ अक्तूबर से एक दिसंबर तक दिल्ली जंक्शन से प्रत्येक बुधवार को दोपहर दो बजे चलकर अगले दिन दोपहर १:२० बजे छपरा पहुंचेगी। इसी प्रकार गोरखपुर-दिल्ली जंक्शन साप्ताहिक (०५१६५) ३१ अक्तूबर से पांच दिसंबर तक प्रत्येक रविवार को गोरखपुर से रात ६:३५ बजे चलकर अगले दिन दोपहर १२:३० बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन (०५१६६) दिल्ली जंक्शन से दोपहर ०३:०५ बजे चलकर अगले दिन सुबह ४:४५ बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

सम्पादकीय

घोषणा: महिलाओं के हक में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिलाओं के हक में जो घोषणा की, वह सराहनीय है। किसी भी देश की तरक्की को मापने की जो आधुनिक कसौटियां हैं, उनमें एक अहम कसौटी यह है कि वहां की स्त्रियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति कैसी है? प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित घरों की चाबी सौंपते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से दिए जाने वाले मकानों का मालिकाना हक महिलाओं के नाम होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने यह अहम सूचना भी दी कि अब तक इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में जितने भी आवास आवंटित किए गए हैं, उनमें से ८० प्रतिशत से भी ज्यादा घर महिलाओं के नाम पंजीकृत हैं। निस्संदेह, विगत कुछ दशकों में भारत ने महिलाओं के उन्नयन के लिहाज से सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। महिला साक्षरता दर जहां ७० फीसदी से भी ऊपर पहुंच गई है, तो वहीं सुरक्षित मातृत्व के मामले में भी देश ने अच्छी प्रगति की है। वहीं स्थानीय निकायों में उनका प्रतिनिधित्व पुरुषों के बराबर हो चला है। लेकिन आर्थिक मामले में अब भी उन्हें लंबा सफर तय करना है, और उनकी वास्तविक प्रगति तभी संभव होगी, जब वे आर्थिक रूप से खुदमुख्तार हो सकेंगी। हाल के वर्षों में हुए कई कानूनी प्रावधानों ने पैतृक संपत्ति में बेटी को स्पष्ट वैधानिक अधिकार दिए हैं, मगर हकीकत यही है कि एक बेटी या बहू के लिए खानदानी जायदाद से हिस्सा हासिल करना सामाजिक तौर पर अब भी बहुत कठिन है। प्रधानमंत्री की घोषणा के गहरे राजनीतिक संदेश भी हैं। कई मौकों पर वह यह जता चुके हैं कि उनकी चुनावी सफलताओं में महिला शक्ति का भारी योगदान है।

वहीं चंद महीनों बाद ही कई बड़े प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में उन्हें महिला वोटरों से मुखातिब होना है।

रेलवे ने किया 'त्रिशूल' और 'गरुड़' का सफलतापूर्वक संचालन

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) पर पहली बार दो लंबी दूरी की मालगाड़ियों "त्रिशूल" और "गरुड़" का सफलतापूर्वक संचालन किया है। मालगाड़ियों की सामान्य संरचना से दोगुनी या कई गुना बड़ी, लंबी दूरी की यह रेल महत्वपूर्ण सैक्शनों में क्षमता की कमी की समस्या का एक बहुत प्रभावी समाधान प्रदान करती हैं। त्रिशूल दक्षिण मध्य रेलवे की पहली लंबी दूरी की रेल है जिसमें तीन मालगाड़ियां, यानी १७७ वैगन शामिल हैं। यह रेल ०७.१०.२०२१ को विजयवाड़ा मंडल के कोंडापल्ली स्टेशन से पूर्व तट रेलवे के खुर्दा मंडल के लिए रवाना हुई थी। एससीआर ने इसके बाद ०८.१०.२०२१ को गुंतकल डिवीजन के रायचूर से सिकंदराबाद डिवीजन के मनुगुरु तक इसी तरह की एक और रेल को रवाना किया और इसे गरुड़ नाम दिया गया है। दोनों ही मामलों में लंबी दूरी की रेलों में मुख्य रूप से थर्मल पावर स्टेशनों के लिए कोयले की लदान के लिए खाली खुले वैगन शामिल थे। एससीआर भारतीय रेल पर पांच प्रमुख माल ढुलाई वाले रेलवे में से एक है। विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा-गुडुर-रेनिगुंटा,बल्लारशाह-काजीपेट-विजयवाड़ा, काजीपेट- सिकंदराबाद-वाडी, विजयवाड़ा-गुंटूर-गुंतकल खंडों जैसे कुछ मुख्य मार्गों पर एससीआर थोक माल के यातायात का संचालन करता है। चूंकि इसके अधिकांश माल यातायात को इन प्रमुख मार्गों से होकर गुजरना पड़ता है, इसलिए एससीआर के लिए इन महत्वपूर्ण सैक्शनों में उपलब्ध प्रवाह क्षमता को अधिकतम करना आवश्यक है। लंबी दूरी की इन रेलों के माध्यम से परिचालन में भीड़भाड़ वाले मार्गों पर पथ की बचत, शीघ्र आवागमन समय, महत्वपूर्ण सैक्शन में प्रवाह क्षमता को अधिकतम करना, चालक दल में बचत करना जैसे लाभ शामिल हैं। इन उपायों के माध्यम से भारतीय रेल अपने मालवाहक ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद करती है।

रेल कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षुओं को प्रदान किए गए टूलकिट और प्रमाण पत्र

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय रेल की उत्पादन इकाई, बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) ने दिनांक १३.१०.२०२१ को रेल कौशल विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत सफल प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार टूलकिट और प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया। रेल कौशल विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत बीएलडब्ल्यू द्वारा तकनीकी ट्रेडों जैसे, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट और वेल्डर के पहले बैच के प्रशिक्षण के लिए आयोजित १०० घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने के बाद प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार टूलकिट और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

दिनांक १३.१०.२०२१ को कुल ५४ प्रशिक्षुओं को टूलकिट और प्रमाण पत्र दिए गए। प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूरा होने पर काफी संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने अपने मौजूदा ज्ञान में वृद्धि और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने में इस प्रशिक्षण को काफी उपयोगी पाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने १७.०६.२०२१ को आरकेवीवाई कार्यक्रम को शुरू किया था। आरकेवीवाई कार्यक्रम रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से उद्योग से संबंधित कौशल में शुरुआती स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करके स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाता है।

देश की स्वतंत्रता की ७५वीं वर्षगाँठ पर चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत, यह कार्यक्रम इस देश के युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के विजन को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। यह आरकेवीवाई कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए जारी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की एक योजना 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तत्वावधान में शुरू किया गया है। पूरे भारत में फैले ७५ रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों में तीन साल की अवधि में कुल ५०,००० युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। बनारस रेल इंजन कारखाना को आरकेवीवाई कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है।

बनारस रेल इंजन कारखाना ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सामग्री और मूल्यांकन प्रक्रिया विकसित की आरकेवीवाई कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षुओं का चयन खुले विज्ञापन और पारदर्शी शार्ट-लिस्टिंग तंत्र के माध्यम से किया जाता है। प्रशिक्षुओं को १०० घंटे का व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के बाद, सभी प्रशिक्षुओं का एक मानकीकृत मूल्यांकन किया जाता है और सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है।बनारस रेल इंजन कारखाना ने सभी सफल प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के ट्रेड से संबंधित टूलकिट प्रदान करने के लिए एक अनूठी पहल की है। यह टूलकिट प्रशिक्षुओं को उनके कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा।

यह टूलकिट प्रशिक्षुओं को उनके सीखने, स्वरोजगार की क्षमता के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों में रोजगार की क्षमता का उपयोग करने में भी मदद करेगा। इन टूलकिटों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत उद्योग भागीदार द्वारा प्रदान किया गया है।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

मेरी सहेली स्टाफ की मदद से बच्चे पहुंचे चाइल्ड लाइन

रे.स.ब्यूरो./संवा। रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज मण्डल द्वारा रेल परिसम्पत्ति की सुरक्षा के साथ साथ यात्रियों की सुरक्षा का दायित्व भी पूरी कुशलता के साथ निर्वहित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक ६.१०.२१ को SI मोहम्मद असलम खान SI/GRP नुकुल सिंह प्लेटफार्म पर मौजूद थे। मेरी सहेली स्टाफ ने सुचना दिया कि प्लेटफार्म सं २/३ के मध्य रखें बैंचो पर २ बच्चियों उम्र लगभग ४, ३ वर्ष काफी समय से सोईहूईथी एवं आस-पास उनके परिवार वाले भी नजर नहीं आ रहे थे सुचना पर मोहम्मद असलम खान,नुकुल सिंह २-३ प्लेटफार्म पर बच्चियों के पास पहुंचे व आस-पास के यात्रियों से पूछताछ किया लेकिन बच्चियों के परिजनों का कहीं पता न चलने पर बच्चियों को सहेली स्टाफ की मदद से सुरक्षित पोस्ट पर लाया गया उसके पश्चात चाइल्डलाइन कानपुर सेंट्रल को बच्चियों के संबंध में सूचना दी गई, सूचना पर चाइल्डलाइन सदस्य रीता सचान ,ओमप्रकाश पोस्ट पर आए बच्चियां कुछ बताने में असमर्थ थी। जिनसे उनके परिजनों का नाम-पते का पता नहीं चल सका। दोनों बच्चियों को जीआरपी ने मेरी सहेली स्टाफ की उपस्थिति में सुरक्षित चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया।

यात्रियों को डिस्पोजल बेडरोल देने की तैयारी

रे.स.ब्यू./सूत्र। डिस्पोजल बेडरोल की सुविधा उत्तर रेलवे और मध्य रेलवे के तमाम रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को मिल रहे हैं, वहीं प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल समेत उत्तर मध्य रेलवे के अन्य रेलवे स्टेशनों पर आने वाले दिनों में डिस्पोजल बेडरोल की सुविधा मिल सकती है। एनसीआर प्रशासन ने भी अन्य जोनल रेलवे की तरह यात्रियों को डिस्पोजल बेडरोल उपलब्ध करवाने पर मंथन शुरू कर दिया गया है।

प्रयागराज-उधमपुर एक्सप्रेस में १८ से लगेगा एसी थ्री इकोनॉमी कोच

रे.स.ब्यू./सूत्र। प्रयागराज से उधमपुर जाने वाली स्पेशल ट्रेन में एसी थ्री इकोनॉमी कोच लगने जा रहा है। १८ अक्तूबर से यह कोच गाड़ी संख्या ०४१४१ में लग जाएगा। सप्ताह में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को चलने वाली उधमपुर एक्सप्रेस में वर्तमान समय प्रयागराज से उधमपुर का एसी थ्री में किराया १६१० रुपये है, लेकिन एसी थ्री इकोनॉमी में १८१५ रुपये ही किराया लगेगा। अभी इस ट्रेन में एसी थ्री इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगाए जा रहे हैं। बता दें कि एसी थ्री एलएचबी कोच में ७२ बर्थ होती हैं, जबकि इकोनॉमी कोच में बर्थ की संख्या ८३ है। इसके अलावा इन कोचों को अधिकतम १६० किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से भी दौड़ाया जा सकता है। इसके साथ ही बीच की और ऊपर वाली बर्थ पर चढ़ने के लिए एसी थ्री इकोनॉमी कोच में आरामदायक सीढ़ी की भी सुविधा है।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

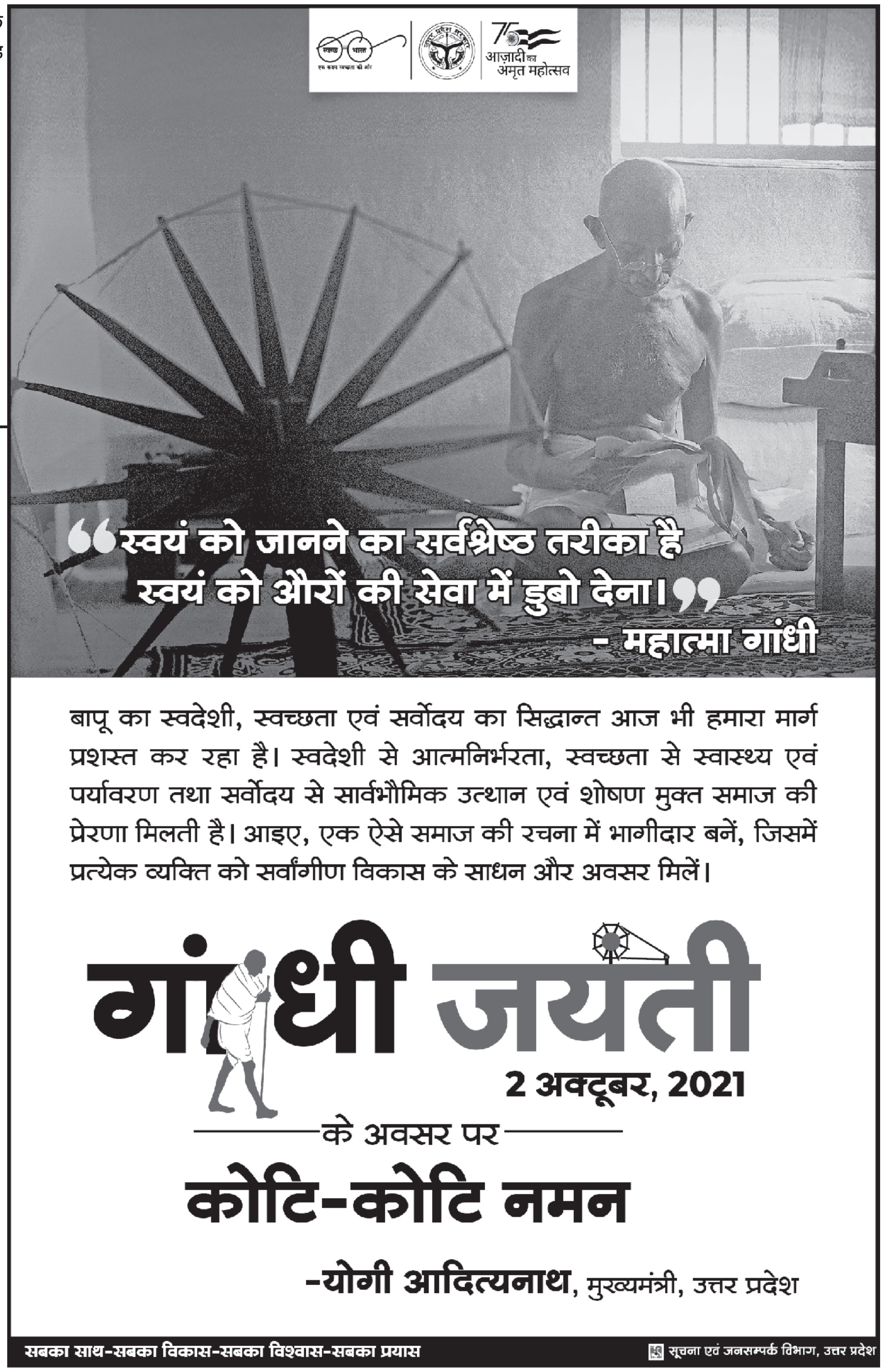

प्रयागराज मंडल २२४ ट्रेनों को १३० की गति से चलाकर हुआ अव्वल

रे.स.ब्यूरो./संवा। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के खाते में एक खास उपलब्धि दर्ज हो गई है, यह पहला ऐसा रेल मंडल हो गया है यहाँ चल रहीं २२४ ट्रेनों की अधिकतम स्पीड १३० किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है इसके साथ ही मंडल में समय पालनता का ग्राफ भी ६२ फीसदी पहुँच गया है। यह जानकारी सोमवार दिनांक ११.१०.२०२१ को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में डीआरएम मोहित चंद्रा ने दी। उन्होने बताया कि प्रयागराज मंडल में तकरीबन ३०० ट्रेनों का संचालन हो रहा है। इसमें २२४ ट्रेनों की स्पीड १३० किमी प्रति घंटे हो गई है। यह आंकड़ा भारतीय रेल के किसी भी अन्य मंडल की तुलना में सर्वाधिक है।

इसके अलावा प्रयागराज मंडल ने अप्रैल से सितंबर के मध्य कुल ७१६ करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं इस वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में एक भी दुर्घटना नहीं हुई। इसके अलावा डीआरएम ने कई अन्य उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर एडीआरएम अजीत कुमार सिंह, अमित मिश्र, अतुल गुप्ता, सीनियर डीसीएम विपिन सिंह, सीनियर डीएससी मनोज कुमार सिह, पीआरओ अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ हो रहा है विकास कार्यः – केशव प्रसाद मौर्य

साभारः उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन के निकट ०४ लेन रेल उपरिगामी सेतु एवं जी०टी० रोड जंक्शन पर चैफटका से कानपुर की तरफ २ लेन फ्लाई ओवर सेतु के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम मे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रयागराज के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ विकास के कार्य किये है। इसी कड़ी में आज कई परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इससे शहर पश्चिमी ही नहीं पूरे प्रयागराज के विकास को गति मिलेगी एवं आमलोगो को जाम की समस्या से निजात मिलेगी और समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि शहर पश्चिमी से कौशाम्बी तक ४ लेन सड़क का निर्माण कराया जायेगा, इससे आस-पास के गांव के क्षेत्र भी तेजी से विकसित होंगे। इनर रिंग रोड का निर्माण का कार्य प्रगति पर है, जिससे शहर में जाम से लोगो को मुक्ति मिलेगी। हण्डिया से कोखराज तक ४ लेन मॉडल रोड बनाने जा रहे है। प्रदेश सरकार की विकास की नीति से जनपद में पर्यटन का तेजी से विकास हो रहा है। गंगा, यमुना एवं गुप्त सरस्वती के संगम में प्रदेश सरकार विकास की गंगा बहा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की यह सोच रही है कि हवाई चप्पल पहनने वाला आम इंसान भी हवाई यात्रा करें। इस सोच के प्रति कृतसंकल्पित होकर सरकार कार्य कर रही है। केन्द्र व प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है, जिससे गरीबों को उनका हक मिल रहा है। गरीबों की मिलने वाली सहायता राशि में बिचैलिओं के खेल को खत्म करते हुए सीधे योजनाओं के लाभार्थी के खाते में पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। केन्द्र व प्रदेश सरकार के द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं से हर गरीब परिवार को लाभान्वित कराया जा रहा है। आज गरीबों के पास उनका पक्का घर, गैस, बिजली, शौचालय तथा उनके पास मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड है, जिससे गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायता मिली है साथ ही किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि भी उपलब्ध करायी जा रही है। कोरोना महामारी के दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि एयरपोर्ट का रास्ता सुगम बनाने के लिए सुबेदारगंज में रेलवे ओवरब्रिज एवं कानपुर रोड पर फ्लाईओवर के निर्माण की अति आवश्यकता थी। इस ब्रिज के बन जाने से राजरूपपुर, कालिंदीपुरम और झलवा की तरफ रहने वाली आबादी को जाम से मुक्ति मिलेगी साथ ही शहर पश्चिमी में विकास की गति को रफ्तार मिलेगी। इस अवसर पर सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल, सांसद इलाहाबाद प्रो० रीता बहुगुणा जोशी, महापौर अभिलाशा गुप्ता नंदी, जिला पंचायत अध्यक्ष वी०के० सिंह, विधायकगणों के अलावा अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

गोरखपुर-दिल्ली के बीच चलेगी पूजा स्पेशल

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन गोरखपुर से दिल्ली के बीच सप्ताह में एक दिन चलेगी जिसके सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे। ०५१६५ गोरखपुर-दिल्ली साप्ताहिक पूजा स्पेशल ३१ अक्तूबर से पांच दिसंबर तक प्रत्येक रविवार गोरखपुर से रात ६.३५ बजे प्रस्थान कर दिल्ली १२.३० बजे पहुंचेगी। वापसी में ०५१६६ दिल्ली-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा स्पेशल एक नवंबर से छह दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को दिल्ली से १५.०५ बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गोरखपुर ०४.४५ बजे पहुंचेगी।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मातृ भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
डॉ जाकिर हुसैन

दिल्ली अहमदाबाद रूट पूरी तरह से इलेक्ट्रिफ़ाइड

साभारः केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन की जयपुर परियोजना के अंतर्गत अजमेर से दौराई और ब्यावर से गुड़िया खंड का ५०.१६५ रुट किलोमीटर का रेल विधुतीकरण कार्य पूर्ण होने से अब दिल्ली से अहमदाबाद पूरा रूट इलेक्टिफाइड हो गया है जिससे अब इस रूट पर रेल गाड़िया बिना किसी बाधा के दिल्ली से अहमदाबाद तक इलेक्ट्रिक इंजन की मदद से तेज गति से निर्बाध रूप से दौड़ेगल जिससे यात्र में लगने वाले समय एवं माल ढुलाई में लगने वाले समय में कमी आएगी। बहुप्रतीक्षित इस खण्ड का सी॰आर॰एस॰ आर के शर्मा द्वारा निरीक्षण पूर्ण किया गया। निरीक्षण के पश्चात विद्युत इंजन द्वारा स्पीड ट्रायल गुड़िया स्टेशन से अजमेर स्टेशन तक सेक्सनल स्पीड (७५से११० किलोमीटर प्रति घंटा की गति) से किया गया, जोकि सफल रहा। सी॰आर॰एस॰ के हरी झंडी मिलते ही इलेक्ट्रिक इंजन पर गाड़िया दौड़ पड़ेगी। कोर के महाप्रबंधक यशपाल सिंह के कुशल नेतृत्व के कारण परियोजनाए अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य को शीघ्र गति से और निर्धारित समय से पूरा कर रही है जिसका परिणाम सामने है। दिल्ली से अहमदाबाद खंड के मध्य सिर्फ यही रेल विद्युतीकरण का कार्य बचा हुआ था जोकि अब पूर्ण हो गया है एवं सीआरएस निरीक्षण भी हो गया है। अब दिल्ली-अहमदाबाद खंड के मध्य विद्युत इंजन से सभी रेलगाड़ीयों का संचालन किया जा सकेगा। ज्ञात हो कि विद्युतीकृत ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल होती है, इसके इस्तेमाल से कार्बन के उत्सर्जन में कमी आती है जोकि पर्यावरण के लिए लाभप्रद है। डीजल की खरीद में लगने वाली विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। मिशन मोड पर कार्य करते हुये केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज, भारतीय अर्थ व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है जिससे देश के आर्थिक विकास में गति मिल रही है।

गुणवत्ता के साथ परियोजनाओं का त्वरित निष्पादन करें सुनिश्चितः महाप्रबंधक

रे.स.ब्यूरो./संवा। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय कार्यालय में महाप्रबंधक /उत्तर मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार, की अध्यक्षता में दो दिवसीय कार्य समीक्षा बैठक दिनांक ०७ अक्टूबर २०२१ को संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ ढांचागत कार्यों को गति के साथ निष्पादित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान इन परियोजना स्थलों का भी दौरा करना चाहिए। आगे कहा कि, अधिकारियों को यदि उनके नियमित निरीक्षण के दौरान यदि कोई कमी मिले तो उसको नोट करना चाहिए और आंकलन कर उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक उपायों को नए कार्यों का प्रस्ताव देते समय ध्यान में रखना चाहिए। बैठक के दौरान उत्तर मध्य रेलवे मे चल रही २२३६ परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें उत्तर मध्य रेलवे में चल रहे ६० रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज के काम भी शामिल हैं। ऐसे निरीक्षणों के दौरान नोट की गई कमियों को नोट किया जाना चाहिए और इन जानकारियों का अगले वर्ष के वर्क्स प्रोग्राम की तैयारी के दौरान आवश्यक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि रेल विद्युतिकरण संगठन, आरवीएनएल जैसी विभिन्न कार्यकारी एजेंसियां क्षेत्र में परियोजनाएं क्रियांवित कर रही हैं, इसलिए कार्य की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए एक उचित निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए और तदनुसार लक्षित समय सीमा में कार्यों के निष्पादन के लिए एजेंसियों को सर्वोत्तम संभव सहायता प्रदान की जानी चाहिए। दो दिवसीय बैठक के दौरान झांसी-कानपुर दोहरीकरण, मथुरा-पलवल चौथी लाइन, मथुरा-झांसी और प्रयागराज -दीन दयाल उपाध्याय तीसरी लाइन, प्रयागराज-बम्हरौली चौथी लाइन फ्लाईओवर के साथ, अलीगढ़ और इटावा फ्लाई ओवर और अलीगढ़-दाउद खान तीसरी लाइन, ज़ोन में चल रहे सभी स्वचालित सिग्नलिंग और कम्प्यूटरी -करण कार्यों पर चर्चा की गई।

महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने किया धनबाद स्टेशन का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्र. हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने दिनांक १६.१०.२०२१ को धनबाद स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई, संरक्षा से जुड़े पहलुओं आदि का गहन निरीक्षण किया। इसी क्रम में महाप्रबंधक ने धनबाद स्टेशन पर स्थित रनिंग रुम, लॉबी तथा इलेक्ट्रिक लोको शेड, गोमो का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशीष बंसल व अन्य वरिष्ठ उच्चधिकारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक मंडल रेल चिकित्सालय, धनबाद पहुंचे जहां उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं आदि का जायजा लिया तथा उच्चाधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिया। महाप्रबंधक ने कोरोना संक्रमण के दौरान किये गये उत्कृष्ट कार्य के लिए मंडल रेल चिकित्सालय, धनबाद के ३० कोरोना वारियर्स को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

भारतीय रेलवे ने सितंबर २०२१ के दौरान माल ढुलाई के आंकड़ों में वृद्धि जारी रखा

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने सितंबर, २०२१ के दौरान आय और लदान के मामले में माल ढुलाई के आंकड़ों की उच्च गति को बनाए रखना जारी रखा है। मिशन मोड पर, सितंबर २०२१ के लिए भारतीय रेलवे का मालभाड़ा लदान पिछले वर्ष के लदान और इसी अवधि के लिए अर्जित आय से अधिक रहा है। सितंबर २०२१ में, भारतीय रेलवे का लदान १०६ मिलियन टन था जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के लदान (१०२.३० मिलियन टन) की तुलना में ३.६२ प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में, भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई से १०८१५.७३ करोड़ रुपए की आय अर्जित की जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की आय (६६०५.६६ करोड़ रुपए) की तुलना में ६.१६ प्रतिशत अधिक है। सितंबर, २०२१ के दौरान, भारतीय रेलवे का लदान १०६ मिलियन टन था जिसमें ४७.७४ मिलियन टन कोयला, ११.२४ मिलियन टन लौह अयस्क, ६.४६ मिलियन टन खाद्यान्न, ४.१६ मिलियन टन उर्वरक, ३.६० मिलियन टन खनिज तेल और ६.१५ मिलियन टन सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) शामिल हैं। गौरतलब है कि रेलवे माल ढुलाई को आकर्षक बनाने के लिए भारतीय रेलवे में कई तरह की रियायतें/छूट भी दी जा रही हैं।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा चलाई जा रही निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि/संचालन अवधि में बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया गया है:–

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	मौजूदा आवृत्ति/दिन	संशोधित आवृत्ति/दिन	संशोधित आवृत्ति दिनांक से प्रभावी
02165 लोकमान्य तिलक टर्मिनस – गोरखपुर त्यौहार स्पेशल (वाया वाराणसी जं.)	सप्ताह में दो दिन सोम एवं गुरू	सप्ताह में तीन दिन सोम, गुरू एवं शुक्र	29.10.2021 से 31.03.2022 तक
02166 गोरखपुर – लोकमान्य तिलक टर्मिनस त्यौहार स्पेशल (वाया वाराणसी जं.)	सप्ताह में दो दिन मंगल एवं शुक्र	सप्ताह में तीन दिन मंगल, शुक्र एवं शनि	30.10.2021 से 01.04.2022 तक

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की समय–सारणी में संशोधन

इसके अतिरिक्त सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की समय–सारणी में निम्नानुसार संशोधन करने का निर्णय लिया गया है:–

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन	वर्तमान समय		परिवर्तित समय		तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
		आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान	
05030 पुणे जं. – गोरखपुर त्यौहार स्पेशल (वाया लखनऊ)	पुणे जं.	--	11:30	--	10:45	दिनांक 05.02.2022 से
	अहमदनगर	13:27	13:30	13:22	13:25	
	कोपरगांव	15:28	15:30	15:30	15:33	
02099 पुणे जं. – लखनऊ जं. सुपरफास्ट स्पेशल	पुणे जं.	--	11:30	--	10:45	दिनांक 02.11.2021 से
	दौंड कॉर्ड लाइन	12:23	12:25	11:50	11:52	
	कोपरगांव	16:13	16:15	15:30	15:33	

नोटः रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक दूरी व सैनिटाइजेशन आदि सहित कोविड–19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी सावधानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट http://www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2253/2021

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पिछले छिमाही में विभिन्न स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग का कार्य किया गया पूर्ण-मण्डल रेल प्रबन्धक,झांसी

रे.स.ब्यूरो./संवा। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष की अध्यक्षता में दिनांक १२.१०.२०२१ को प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक झाँसी मण्डल ने सर्वप्रथम सभी मीडिया कर्मियों का स्वागत किया। यह प्रेस वार्ता मण्डल द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में अर्जित की गई उपलब्धियों एवं भविष्य कि कार्य योजनाओ के संदर्भ में आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुये मण्डल रेल प्रबंधक ने बताया कि झाँसी मण्डल भारतीय रेल के सबसे महत्वपूर्ण मण्डलों में से एक है। झाँसी मण्डल में लगभग २७२ मेल एक्सप्रेस तथा २४ यात्री गाड़ियां वर्तमान में चल रही है, कोरोना से पूर्व २८८ मेल एक्सप्रेस गाड़ियां का संचालन होता था। शीघ्र ही मंडल द्वारा संचालित शेष यात्री गाड़ियों का संचालन प्रारंभ किया जायेगा। मण्डल रेल प्रबंधक ने बताया की वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान हमने २६ बार मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की समय पालनता १०० हासिल की, यह किसी भी वर्ष में इस अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। भारतीय रेल के सबसे व्यस्ततम रेल मार्गो में से एक होने के बावजूद भी झाँसी मण्डल ने अपनी रखरखाव सम्बंधी गतिविधियों को पूरी क्षमता से जारी रखते हुये संरक्षा के प्रदर्शन को और बेहतर किया है। आशुतोष ने बताया कि राजस्व अर्जन में भी हमारा प्रदर्शन काफी उत्साहजनक रहा है और हमने वितीय वर्ष २०२१-२२ के अप्रैल से सितम्बर के दौरान कोचिंग से लगभग २४० करोड़ रुपये और माल लदान से ३७७.२८ करोड़ रुपये अर्जित कर कुल ६४२.८८ करोड़ रुपये अ जत किये हैं। इस दौरान हमने कई वस्तुओं जैसे-: फ्लाई एश, एडिबल आयल, बालू, चीनी, ज्वार आदि का लदान भी प्रारम्भ किया है। संरक्षा ही प्राथमिकता के लक्ष्य के साथ काम करते हुये झाँसी मण्डल ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में सितम्बर माह तक ०३ लेवल क्रासिंगों को बंद कर दिया है। साथ ही आमजनता की सुविधा के दृष्टिगत सितम्बर माह तक ०५ को बंद किये जाने का कार्य चल रहा है। उन्होने बताया कि महिला यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत झाँसी मंडल में मेरी सहेली अभियान के अंतर्गत महिला टीमों का गठन किया गया है। जिसके द्वारा प्रतिदिन २५-२६ रेलगाड़ियों में महिलों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। अपने संबोधन के क्रम में मण्डल रेल प्रबंधक ने बताया की पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र कार्य करते हुए सौर्य ऊर्जा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। झाँसी मण्डल ने वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के दौरान अब तक कुल ७१६६५२ यूनिट बिजली का उत्पादन किया जिससे लगभग २१६४३४८/- रुपये की बचत हुई है। अप्रैल से सितम्बर माह तक झाँसी मण्डल ने ०३ जोड़ी गाड़ियों के ट्रैक्शन में परिवर्तन करते हुये डीजल ट्रैक्शन से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन से परिवर्तित किया। इस परिवर्तन से एक ओर तो हाई स्पीड डीजल की बचत हो वहीं दूसरी ओर समयपालनता में भी सुधार होगा और पर्यावरण भी संरक्षित होगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया की ब्रांच लाइनों खंडो का विद्युतीकरण किया जा चूका है। अब मंडल में मात्र खजुराहो-उदयपुरा खंड को छोड़कर पूरा मंडल विद्युतिकृत हो गया है। जिस पर कार्य प्रगति पर है, आशा है इस वित्तीय वर्ष के अंत तक सम्पूर्ण झाँसी मंडल विद्युतिकृत हो जायेगा । इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक ने बताया कि कोविड महामारी के दृष्टिगत झाँसी मण्डल में मंडल चिकित्सालय, झाँसी में ऑक्सीजन प्लांट लगाये जाने का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। रेलवे मरीजो हेतु लिफ्ट संस्थापित कर दी गयी है तथा RTPCR टेस्ट हेतु मशीन का संस्थापन किया गया है, ICMR द्वारा अधिकृत करने के उपरान्त टेस्ट किये जा सकेंगे। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक इन्फ्रा अमित सेंगर, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक नवीन दीक्षित व वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक प्रदीप सुडेले उपस्थित रहे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की कोविड-१६ टीकाकरण की समीक्षा

पत्र.सू.का/ नईदिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने सभी प्रमुख राज्यों के प्रधान सचिवों तथा मिशन निदेशकों (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के साथ कोविड-१६ टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत की कोविड-१६ टीकाकरण यात्रा में तात्कालिक ऐतिहासिक उपलब्धि १०० करोड़ टीका लगाना है। भारत में अभी तक ६४ करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। मंडाविया ने कहा कि त्योहार आमतौर पर शुभता, आनंद और बड़े जन समूहों के पर्याय होते हैं और अगर कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार ये नहीं मनाए गए तो कोविड-१६ की रोकथाम की प्रक्रिया पटरी से उतर सकती है। उन्होंने कहा कि 'दोहरा समाधान यही है कि कोविड प्रोटोकल का बहुत सख्ती से अनुपालन किया जाए और टीकाकरण की गति में तेजी ला जाए।' उन्होंने उन प्रयोगों के परिणामों को संदर्भित किया जिनमें अनुमान लगाया गया था कि टीका की पहली खुराक प्राप्त करने वालों में गंभीर रूप से कोविड-१६ का शिकार न बनने वालों की संख्यान ६६ प्रतिशत है और उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे लोगों में यह बढ़कर लगभग ६८ प्रतिशत पहुंच जाता है, जिन्होंने टीके की दोनों खुराकें ली हैं। यह देखते हुए कि राज्यों के पास आठ करोड़ से अधिक टीके शेष हैं, उन्होंने राज्यों द्वारा टीकाकरण की गति तथा लक्षित आबादी के बीच टीकाकरण कवरेज बढ़ाने की राह में आने वाली बाधाओं के बारे में पूछताछ की। कईराज्य् शहरी क्षेत्रों में कवरेज की पूर्णता के निकट पहुंच रहे हैं और वे नगर में चलायमान आबादी की मांगों को भी पूरा कर रहे हैं। इसी प्रकार, भौगोलिक रूप से कुछ अलग पड़ चुके क्षेत्रों में कड़ी मेहनत और अधिक समय लगाकर प्रत्येक दरवाजे पर जाकर टीकाकरण किया जा रहा है, जहां पहली खुराक का कवरेज लगभग पूरा होने के निकट है। सामूहिक टीकाकरण अभियान आरंभ करने वाले उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने तुलनात्मभक रूप से कोवैक्सीन की सीमित आपूर्ति तथा दो खुराकों के बीच कम समय अवधि को टीकाकरण की गति बढ़ाने में अवरोध का कारण बताया। राज्यों के परामर्श से, मंत्री ने प्रत्येक राज्य को अपने लक्ष्य में वढद्धि करने की अपील की जिससे कि अगले कुछ दिनों में १०० करोड़ की संख्यो तक पहुंचने के लिए अंतिम छह करोड़ खुराकें लगाईजा सके। केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों के स्वास्थ्य प्रशासकों से त्योहारों के दौरान कोविड उपयुक्त बर्ताव (सीएबी) का पालन करने के संबंध में सख्ती बरतने की अपील की, जिससे कि कोविड-१६ के प्रकोप को रोका जा सके।

विजय प्रताप सिंह ने किया अपर महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण

रे.स.ब्यू./सूत्रा. बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नये अपर महाप्रबंधक विजय प्रताप सिंह ने दिनांक ०४ अक्टूबर २०२१ को पदभार ग्रहण कर लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक पद पर नियुक्ति के पूर्व विजय प्रताप सिंह उत्तर रेलवे में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, निर्माण के पद पर पदस्थ थे।

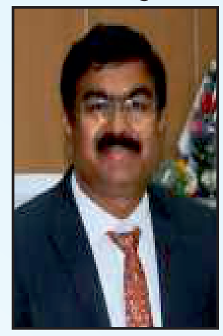

विजय प्रताप सिंह भारतीय रेल विद्युत सेवा के १६८६ बैच के अधिकारी है। उन्होने बीटेक और आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमटेक की पढ़ाईकिया है। उन्हें विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहन अनुभव है तथा वे उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे एवं दक्षिण मध्य रेलवे में विभिन्न पदों पर कर चुके है तथा गुंटकल रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के पद पर भी कार्य कर चुके है। विजय प्रताप सिंह ने भारतीय रेलवे की राष्ट्रीय अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ़ इंडियन रेलवेज़) वडोदरा, इनसीड सिंगापुर, आईसीएलआईएफ मलेशिया में उन्नत प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त किया है और साथ ही आईएसबी सिकंदराबाद और एसडीए बोकोनी मिलान, इटली में नेतढत्व और सामरिक प्रबंधन कार्यक्रम में भाग लिया है। उन्होंने अनुबंध प्रबंधन पर विश्व बैंक के प्रशिक्षण में भी भाग लिया है।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
सरदार वल्लभ भाई पटेल

P. Mahesh assumes charge as SDGM & CVO of Southern Railway

Source CPRO/SR : P. Mahesh, IRSME has taken over charge as the new Senior Deputy General Manager and Chief Vigilance Officer of Southern Railway on 06th October, 2021. Prior to this, he held the post of Divisional Railway Manager of Chennai Division. An officer belonging to Indian Railway Service of Mechanical Engineers (IRSME), P. Mahesh has vast experience in different facets of Railway working. He had served Southern Railway, North Frontier Railway and Integral Coach Factory in various capacities earlier. P. Mahesh has the unique distinction of having held the post of Chief Workshop Manager in three prestigious workshops of Indian Railways, namely, Golden Rock Workshop, Carriage& Wagon Workshops at Perambur and New Bongaigon (Assam). Besides, he had also worked as Consultant with RITES while on deputation at Sri Lanka.

१८ नवम्बर से एलएचबी रेक से चलेगी हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस

रे.स.ब्यू./सूत्र. हाजीपुर। हैदराबाद और रक्सौल के बीच चलने वाली गाड़ी सं. १७००५/१७००६ हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस जो वर्तमान में ०७००५/०७००६ हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल के रूप में परिचालित की जा रही है, का परिचालन १८ नवम्बर, २०२१ से एलएचबी कोच से किया जायेगा। गाड़ी सं.०७००५ हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस हैदराबाद से दिनांक १८.११.२०२१ से तथा गाड़ी सं. ०७००६ रक्सौल- हैदराबाद एक्सप्रेस रक्सौल से दिनांक २१.११.२०२१ से एलएचबी रेक द्वारा संशोधित संयोजन (Composition) के साथ चलेगी।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

कोर में सामग्री-गुणवत्ता पर संगोष्ठी आयोजित

रे.स.ब्यूरो./संवा। प्रयागराज केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, दिसंबर २०२३ के पूर्व भारतीय रेल के पूरे नेटवर्क का विद्युतीकरण करने लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में दिनांक १४.१०.२०२१ को कोर में विद्युतीकरण में प्रयोग होने वाले स्टील के खम्भे एवं ट्रांसमिशन लाइन के टावरों की गुणवत्ता पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मेसर्स के॰सी॰ इन्टरनेशनल द्वारा गुणवत्ता-आश्वासन में ध्यान रखने वाले कई विंदुओं पर प्रकाश डाला गया। कोर के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, ने बताया कि कोर द्वारा "नो योर वेंडर" योजना के तहत सभी मुख्य सप्लायरों के गुणवत्ता मानकों का सतत मूल्यांकन किया जाता है। आज की सगोष्ठी में स्टील स्ट्रक्चर्स के विभिन्न पहलुओं जैसे मजबूती, जंगरोधक क्षमता, बेडिंग-मोमेंट इत्यादि के परिपेक्ष्य में गुणवत्ता बनाये रखने हेतु कदमों पर गहन चर्चा हुई। संगोष्ठी में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अरुण कुमार, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर सुरेश कुमार, मुख्य बिजली इंजीनियर (Planning) एस॰एस॰नेगी, मुख्य बिजली इंजीनियर (कार्य) पुष्पेंद्र रमण त्रिपाठी, मुख्य बिजली इंजीनियर (डॉ) डी॰के॰श्रीवास्तव, एवं सचिव / महाप्रबन्धक एस॰के॰मिश्रा, उपस्थित रहे।